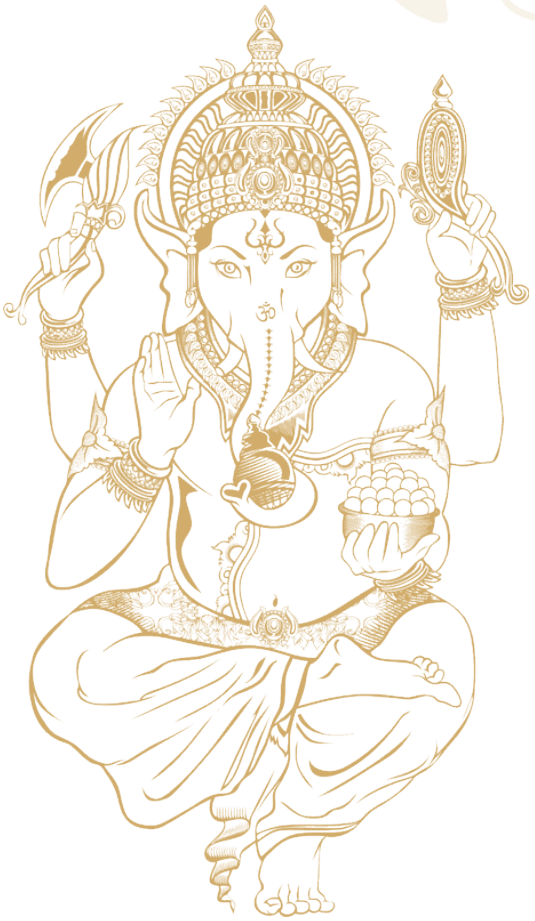

Amit Kumar shanghi

25 Jan 1980

01:15 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121922505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/01/1980**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:15:00 घंटे**
इष्ट	46:02:39 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:58:44 घंटे
वेलान्तर	-00:11:56 घंटे
साम्पातिक काल	09:11:55 घंटे
सूर्योदय	06:49:56 घंटे
सूर्यास्त	18:06:31 घंटे
दिनमान	11:16:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:24:23 मकर
लग्न के अंश	21:35:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:35:19	329:07:04	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मक	10:24:23	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	13:29:57	13:49:24	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		सिंह	21:17:39	00:06:43	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	12:44:01	01:42:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	15:19:30	00:05:20	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	16:59:18	01:12:49	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	03:09:15	00:01:55	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		सिंह	05:59:18	00:00:08	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:59:18	00:00:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	01:25:37	00:01:53	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप			वृश्चि	28:08:34	00:01:48	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	28:11:58	00:00:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			कर्क	21:56:13	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:35

लग्न-चलित

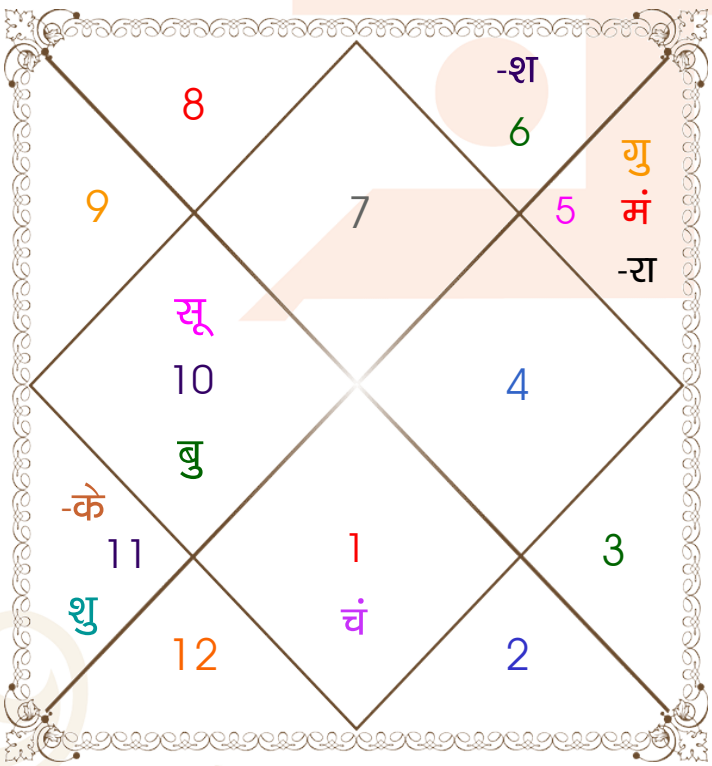

चन्द्र कुंडली

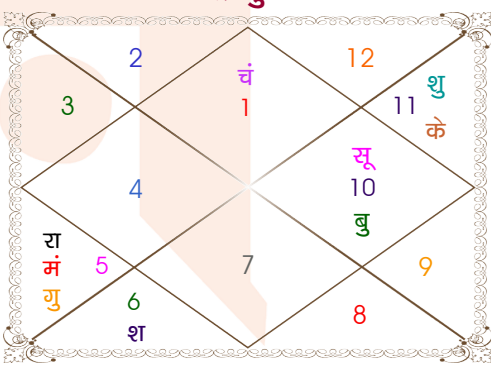

नवमांश कुंडली

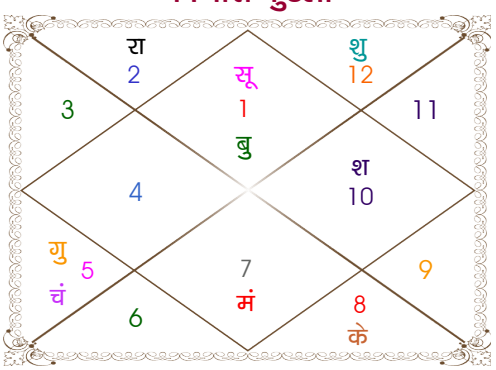

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 9 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/01/1980		26/10/1999		25/10/2005		26/10/2015		25/10/2022	
26/10/1999		25/10/2005		26/10/2015		25/10/2022		25/10/2040	
शुक्र	24/02/1983	सूर्य	12/02/2000	चंद्र	26/08/2006	मंगल	23/03/2016	राहु	08/07/2025
सूर्य	24/02/1984	चंद्र	13/08/2000	मंगल	27/03/2007	राहु	10/04/2017	गुरु	01/12/2027
चंद्र	25/10/1985	मंगल	19/12/2000	राहु	25/09/2008	गुरु	17/03/2018	शनि	07/10/2030
मंगल	25/12/1986	राहु	13/11/2001	गुरु	25/01/2010	शनि	26/04/2019	बुध	26/04/2033
राहु	25/12/1989	गुरु	01/09/2002	शनि	26/08/2011	बुध	22/04/2020	केतु	14/05/2034
गुरु	25/08/1992	शनि	14/08/2003	बुध	24/01/2013	केतु	18/09/2020	शुक्र	14/05/2037
शनि	26/10/1995	बुध	19/06/2004	केतु	25/08/2013	शुक्र	19/11/2021	सूर्य	08/04/2038
बुध	26/08/1998	केतु	25/10/2004	शुक्र	26/04/2015	सूर्य	26/03/2022	चंद्र	07/10/2039
केतु	26/10/1999	शुक्र	25/10/2005	सूर्य	26/10/2015	चंद्र	25/10/2022	मंगल	25/10/2040

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/10/2040		25/10/2056		26/10/2075		25/10/2092		26/10/2099	
25/10/2056		26/10/2075		25/10/2092		26/10/2099		00/00/0000	
गुरु	13/12/2042	शनि	29/10/2059	बुध	23/03/2078	केतु	23/03/2093	शुक्र	25/01/2100
शनि	25/06/2045	बुध	08/07/2062	केतु	21/03/2079	शुक्र	23/05/2094		00/00/0000
बुध	01/10/2047	केतु	17/08/2063	शुक्र	18/01/2082	सूर्य	28/09/2094		00/00/0000
केतु	06/09/2048	शुक्र	16/10/2066	सूर्य	25/11/2082	चंद्र	29/04/2095		00/00/0000
शुक्र	08/05/2051	सूर्य	28/09/2067	चंद्र	25/04/2084	मंगल	25/09/2095		00/00/0000
सूर्य	24/02/2052	चंद्र	29/04/2069	मंगल	23/04/2085	राहु	13/10/2096		00/00/0000
चंद्र	25/06/2053	मंगल	07/06/2070	राहु	10/11/2087	गुरु	19/09/2097		00/00/0000
मंगल	01/06/2054	राहु	13/04/2073	गुरु	15/02/2090	शनि	29/10/2098		00/00/0000
राहु	25/10/2056	गुरु	26/10/2075	शनि	25/10/2092	बुध	26/10/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।